University in News on 10 November 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

प्रायोगिक परीक्षा की होगी वीडियो रिकॉर्डिंग

लविवि व संबद्ध कॉलेजों में लागू होगी व्यवस्था, वीडियो अपलोड होने के बाद ही पोर्टल पर चढ़ेंगे अंक

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में परीक्षा विभाग की ओर से प्रयोगात्मक परीक्षाओं के लिहाज से एक प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसके तहत लविवि से संबद्ध 500 से अधिक कॉलेजों में सेमेस्टर परीक्षाओं में विद्यार्थियों की वीडियो रिकॉर्डिंग होगी। इससे परीक्षा को अधिक पारदर्शी बनाया जा सकेगा। वहीं छात्रों की उपस्थिति का ब्योरा भी दर्ज हो सकेगा।

लविवि प्रशासन की ओर से विषम सेमेस्टर सत्र 2023-24 के लिए परीक्षा फॉर्म व प्रयोगिक परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिए गया है। इसके मुताबिक 12 दिसंबर से परीक्षाएं शुरू होनी हैं। साथ ही अब प्रयोगात्मक परीक्षाओं का वीर शुरू हो जाएगा। इसी बार से शिक्षकों को परीक्षा शुरू होने से पहले प्रयोगात्मक परीक्षा के अंक पोर्टल पर अपलोड करने होंगे जिसे लेकर परीक्षा नियंत्रक की ओर से सभी विद्यार्थी के विभागाध्यक्षों और कॉलेजों के प्राचार्यों को निर्देश जारी किए जा चुके हैं। परीक्षा विभाग ने अब प्रयोगात्मक परीक्षा में छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए वीडियो रिकॉर्डिंग की योजना तैयार की है।

लविवि प्रशासन के मुताबिक, प्रयोगात्मक परीक्षा में कई बार ऐसी शिकायतें आई हैं कि परीक्षक पर दबाव बनाकर प्रयोगात्मक परीक्षा में अनुपस्थित छात्रों को भी अंक दिलाए गए हैं। इसलिए अब परीक्षकों को प्रैक्टिकल शुरू करने से पहले उपस्थित छात्रों का वीडियो बनाना होगा। इसे अपलोड करने के बाद ही वह पोर्टल पर प्रयोगात्मक परीक्षा के अंक सबमिट कर सकेंगे। इस व्यवस्था को लागू करने से पहले इसकी ट्रेटिंग की जाएगी।

लविवि व कॉलेजों में 15 तक रहेगा दीपावली अवकाश

लखनऊ। लखनऊ विवि ने चुनावलिवर को दीपावली की छुट्टियां घोषित कर दीं। विवि व सहयुक्त कॉलेजों में 11 से 15 नवंबर तक दीपावली का अवकाश रहेगा। इस संबंध में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने आदेश भी जारी कर दिया है। उन्होंने बताया कि 12, 13 व 15 नवंबर को पहले से अवकाश था। कुलपति के आदेश पर 11 व 14 नवंबर को भी छुट्टी घोषित की गई है। (संवाद)

व्यावहारिक पहलू जांचने के लिए एकेडमिक सेल जारी करेगा गूगल फॉर्म

एमओयू की समीक्षा भी करेगा लखनऊ विवि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय विभागों और संस्थानों में पिछले एक वर्ष में होने वाले एमओयू की प्रगति का ब्योरा मांगेगा। इसके लिए विवि को एकेडमिक सेल को ओर से एक गूगल फॉर्म जारी करने की बात कही गई है। इस फॉर्म में विभाग एमओयू के तहत होने वाली गतिविधियों का ब्योरा विधि प्रशासन को दे पाएंगे। समिति में बीते एक साल में विभिन्न विभागों में 20 से अधिक एमओयू हुए हैं। इन एमओयू के तहत विवि की शैक्षिक गतिविधियों में विस्तार करना है। प्रो. अकार्यवाल प्रो. गोवर्धनि सिंह ने बताया कि विधि एमओयू के शैक्षिक और व्यावहारिक दोनों पहलुओं पर विचार कर रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग के अंत सभी विभागों से एमओयू का विस्तृत अपडेट मांग जाएगा। इसे विधि के एकेडमिक ऑडिट में भी शामिल किया जाएगा।

HINDUSTAN PAGE 6

लविवि : शिक्षकों की प्रस्तुति से सजा मंच

लखनऊ। दीपावली के उपलक्ष्य में लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के कौटिल्य सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। गणेश वंदना की प्रस्तुति मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिकाओं डॉ. हंसिका सिंघल और स्वप्निल सिन्हा ने दी। हिंदी विभाग के प्रो. एसबी थापा ने मुक्तिबोध की पंक्तियों, जिंदगी में जो कुछ है, जो भी कुछ है, स्वीकारा है... के साथ प्रेमगीत प्रस्तुत किया। जंतुविज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो. संगीता रानी ने गीत प्रस्तुत किया। उर्दू विभाग के डॉ. अब्बास रजा नैय्यर ने पढ़ा- मैं दिया हूं, मुझे बुझाएगी? ए हवा तेरी सांस फूल जाएगी। वनस्पति विज्ञान की प्रो. गौरी सक्सेना और उनकी टीम ने आओ पधारो पिया गीत गाया। गणेश वंदना की प्रस्तुति देतीं डॉ. हंसिका सिंघल और स्वप्निल सिन्हा

प्रैक्टिकल में हाजिरी के लिए बनेगा वीडियो

लखनऊ। एलयू में प्रयोगात्मक परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की वीडियो रिकार्डिंग होगी। परीक्षक छात्रों के अंक पोर्टल पर अपलोड कर सकेंगे। एलयू में 2023-24 विषम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म, कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इससे अब प्रयोगात्मक परीक्षाएं शुरू होंगी। प्रयोगात्मक परीक्षा में छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए वीडियो रिकार्डिंग की योजना तैयार की है।

i-NEXT PAGE 5

स्टूडेंट्स ने वंचित बच्चों के बीच बांटी मिठाई

एलयू के पर्यटन अध्ययन संस्थान की पहल

दृष्टि सामाजिक संस्था का किया दौरा

LUCKNOW (9 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी के पर्यटन अध्ययन संस्थान ने दीवाली मनाने का एक अनूठा तरीका निकाला. छात्रों ने अपने टूरिज्म स्टूडेंट डेवलपमेंट क्लब के माध्यम से और संकाय और कर्मचारियों के साथ मिलकर विवि के दूसरे परिसर के पीछे स्थित झुग्गी बस्ती के बच्चों को कपड़े, मिठाइयां व भोजन दान किया. टीएसडीसी के अध्यक्ष आनंद ने कहा कि इस तरह वंचित बच्चों की दिवाली उज्ज्वल बनाई जा सकेगी. एक दिन पहले एलयू कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने हरित दिवाली पोस्टर लॉन्च किया था. प्रोफेसर संगीता साहू, डीन छात्र कल्याण ने कहा कि वंचित बच्चों के लिए दिवाली को रोशन करने के लिए एसएसआर पहल में शामिल होने वाले छात्रों की अवधारणा एक सराहनीय है.

लखनऊ यूनिवर्सिटी के विधि संकाय की संस्था विधिक सहायता केंद्र, विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ बीडी सिंह व विधिक सहायता केंद्र के अध्यक्ष डॉ. आलोक कुमार यादव के मार्गदर्शन में जानकीपुरम स्थित दृष्टि सामाजिक संस्थान का दौरा किया. संस्थान के निदेशक अथर्व सिंह व शालू सिंह से सकारात्मक चर्चा हुई. मौके पर विधिक सहायता केंद्र के सदस्यों ने छात्र संयोजक सौरभ राठौर समेत अन्य सदस्या मौजूद रहे.

JAGRAN CITY PAGE III

यूजी-पीजी कोर्स में शोध पर होगा फोकस

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में आगामी सत्र से एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम शुरू करने को लेकर इसके पाठ्यक्रम पर मंथन शुरू हो गया है। हाल ही में विज्ञान संकाय के डीन ने अपने विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर एक वर्षीय एम.एस.सी, चार वर्षीय बी.एस.सी पाठ्यक्रम के प्रारूप पर चर्चा की। कहा गया कि पाठ्यक्रम का प्रारूप इस तरह का बनाया जाए जिससे पाठ्यक्रम में शोध पर छात्र-छात्राओं को शोध का ज्यादा मौका मिले।

विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर विभूति राय ने बताया कि अभी तक दो वर्षीय एम.एस.सी पाठ्यक्रम संचालित है। अब एक वर्षीय पाठ्यक्रम भी बनाया जाना है। कोर्स का प्रारूप कैसा हो, इसके लिए विज्ञान संकाय के सभी विभागाध्यक्षों के साथ चर्चा की गई है। पीजी दो वर्षीय पीजी कोर्स और बी.एस.सी चार वर्षीय कोर्स में कितने प्रतिशत शोध को जगह दी जाए, इन बिंदुओं पर मंथन किया गया। कोर्स में अधिक शोध से विद्यार्थियों को आगे इस क्षेत्र में काफी लाभ मिलेगा। इसी आधार पर प्रारूप के लिए सभी विभागाध्यक्षों से कहा गया है।

पांचवें सेमेस्टर में इंटर्नशिप या टर्म पेपर : उन्होंने बताया कि बी.एस.सी पांचवें सेमेस्टर में इंटर्नशिप या टर्म पेपर में से विद्यार्थियों को कोई एक चयन करना है। इंटर्नशिप के विद्यार्थियों को किस प्रकार बांटा जाए, इस पर भी बातचीत की गई है क्योंकि किसी विभाग में अधिक तो किसी में कम छात्र संख्या है।

एम.एड प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं आज से : लवि में एम.एड प्रथम सेमेस्टर (सत्र 2023-25) की कक्षाएं 10 नवंबर से शुरू होंगी। इसका समय सुबह 10.30 बजे से रहेगा। शिक्षा संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर दिनेश कुमार ने इसकी सूचना जारी की है। छात्राओं को विभाग में समय से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

पीएचडी फाइन आर्ट पेंटिंग में प्रवेश की मेरिट जारी : लवि ने पीएचडी फाइन आर्ट्स पेंटिंग में प्रवेश के लिए मेरिट सूची जारी कर दी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपनी रैंक देख सकते हैं। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर की ओर से इसकी सूचना जारी की गई है।

प्रयोगात्मक परीक्षाओं में होगी वीडियो रिकार्डिंग

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय प्रयोगात्मक परीक्षाओं को लेकर अब और सख्ती करेगा। इसके लिए जो भी परीक्षक कालेजों में प्रयोगात्मक परीक्षा लेने जाएंगे। उन्हें मौके पर इसकी वीडियो रिकार्डिंग करनी होगी। इसमें छात्र-छात्राओं की सही उपस्थिति का पता चल सकेगा। आनलाइन ही उन्हें अंक अपलोड भी करने होंगे। इस व्यवस्था को लागू करने के लिए परीक्षा विभाग तैयारी में जुटा है। अभी तक परीक्षक कालेजों में प्रयोगात्मक परीक्षा लेने जाते हैं। उसके बाद अंक अपलोड करते हैं। कालेजों में परीक्षक की मिलीभगत से अनुपस्थित छात्रों के अनुपस्थित होने पर भी अंक अपलोड करवाने की शिकायतें आती रही हैं। इस पर सख्ती के लिए प्रयोगात्मक परीक्षा लेने वाले परीक्षक को छात्रों के साथ वीडियो रिकार्डिंग करके उसे पोर्टल पर अपलोड करना होगा। तभी अंक अपलोड होंगे। इसको लेकर विश्वविद्यालय तैयारी कर रहा है। परीक्षा विभाग जल्द इसे लागू कर सकता है।

होमी जहांगीर भाभा हास्टल के प्रोवोस्ट बदले

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने द्वितीय परिसर स्थित होमी जहांगीर भाभा ब्यायज ला हास्टल के प्रोवोस्ट को बदल दिया है। अब डा. बीआर अंबेडकर हास्टल की प्रोवोस्ट डा. अर्चना सिंह को इस हास्टल का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। वहीं, इंजीनियरिंग संकाय के डा. ओपी सिंह, शैलेंद्र कुमार सोनकर को इसी हास्टल का सहायक प्रोवोस्ट पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बौद्धिक संपदा अधिकार की समझ विकसित हो

जासं, लखनऊ : लवि के रसायन विज्ञान विभाग में शिक्षाविदों में बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में जागरूकता पर व्याख्यान खला की शुरुआत हुई। प्रोफेसर अनिल मिश्रा ने शिक्षा जगत में आइपीआर के महत्व और संकाय सदस्यों के साथ-साथ अन्य विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के बीच आईपीआर की समझ को विकसित करने पर जोर दिया। डा. ओम प्रकाश ने 'पेटेंट फाइलिंग के तकनीकी और कानूनी पहलू: भारतीय पेटेंट (संशोधन) अधिनियम, 2005 के साथ सरिखित" विषय पर बताया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

पेटेंट फाइलिंग के कानूनी पहलुओं पर चर्चा

व्याख्यान

- लखनऊ विवि में कार्यशाला का किया गया आयोजन
- अनुसंधान संकाय सदस्यों के साथ शोधकर्ता भी रहे शामिल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कार्यक्रम के दौरान मौजूद संकाय सदस्य और शोधार्थी छात्र। अमृत विचार

अमृत विचार : पेटेंग फाइलिंग की तकनीकों को जानने के लिए एक व्याख्यान का आयोजन हुआ। लखनऊ विवि परिसर में आयोजित कार्यशाला में संकाय सदस्यों के साथ शोधकर्ता भी शामिल हुए। कानूनों पहलुओं पर चर्चा करते हुए विषय वस्तुओं को साझा भी किया गया।

शिक्षाविदों में बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में जागरूकता को लेकर विवि में व्याख्यान का आयोजन हुआ। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनिल मिश्रा ने श्रंखला के उद्देश्य की जानकारी दी। विभाग के संकाय सदस्यों के साथ विवि के अन्य विभागों के बीच समझ को विकसित करने में विभाग की भूमिका से अवगत कराया। पहला व्याख्यान रसायन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. ओमप्रकाश ने पेटेंट फाइलिंग के तकनीकी व कानूनी पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने पेटेंट की जटिलताओं का भी उल्लेख किया। इसकी खोज, मान्यता और महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर संकाय सदस्य और शोधार्थी छात्र -छात्राएं मौजूद रहे।

PIONEER PAGE 3

दीपावली की संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

दीपावली संध्या के शुभ अवसर पर गुरुवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के सांस्कृतिकी द्वारा अर्थशास्त्र विभाग के कौटिल्य सभागार में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कुलपति प्रो आलोक कुमार राय, कुलसचिव डा विनोद कुमार सिंह, कला संकाय अधिष्ठाता प्रो अरविंद अवस्थी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो संगीता साहू, कुलानुशासक प्रो राकेश द्विवेदी, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो विनोद कुमार सिंह के साथ सभी संकायों के डीन, सभी विभागाध्यक्ष और अन्य शिक्षक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना हुई। जिसे मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिकाओं डा हंसिका सिंघल और स्वप्निल सिन्हा ने प्रस्तुत किया। हिंदी विभाग के प्रो एस बी थापा ने मुक्तिबोध की पंक्तियों जिंदगी में जो कुछ है, जो भी कुछ है, स्वीकारा है और लेना होगा जनम हमें कई कई बार के साथ एक प्रेम गीत प्रस्तुत किया।

जंतु विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो संगीता रानी ने एक गीत और उर्दू विभाग के डा अब्बास रजा नय्यर ने शायरी मै दिया हूं, मुझे बुझाएगी। ए हवा तेरी सांस फूल जायेगी। लौ बस आलोक से लगाए रहो, यही लौ रास्ता दिखाएगी प्रस्तुत किया। वनस्पति विज्ञान की प्रो गौरी सक्सेना और उनकी टीम ने आओ पधारो पिया गीत गाया। कुलपति ने पठन-पाठन और परीक्षाओं की चर्चा करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतकी की निदेशिका प्रो मधुरिमा लाल ने कुलपति और सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग के विभिन्न तरीकों को समझाया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में चल रही तीन दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (आईसीसीआईसीएस-2023) के तीसरे व अंतिम दिन गुरुवार को भी दो टेक्निकल सेशन का आयोजन किया गया। प्रथम टेक्निकल सत्र के पहले मुख्य वक्ता प्रोफेसर आलोक चतुर्वेदी (पूर्व यूनिवर्सिटी यूएसए) ने इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी व टेलीकम्युनिकेशन से संबंधित मूलभूत विधियों पर प्रकाश डालते हुए तत्कालीन रोजगर्रा की जरूरत में उसके उपयोग के बारे में बताया। सत्र के दूसरे मुख्य वक्ता प्रोफेसर मोहम्मद हारून (इंटीग्रल यूनिवर्सिटी) ने मानव मस्तिष्क संरचना व आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस स्ट्रक्चर के मध्य, समानता व कार्य विधि, सूचना प्रबंधन व उसके संचार तंत्र को विभिन्न माध्यमों व उदाहरणों द्वारा समझाया। परसेप्ट्रॉन, हिडन लेयर्स व फीड फॉरवार्ड तंत्र के बिंदुओं पर अत्यंत सूक्ष्मता के साथ सुपरवाइज्ड व अनसुपरवाइज्ड मशीन लर्निंग माध्यमों पर रोचक व्याख्यान दिया। सत्र के अंतिम वक्ता व अध्यक्ष के रूप में उपस्थित डॉ उपेंद्र कुमार (आईटी लखनऊ) ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग के दैनिक जीवन में उपयोग तथा इसका प्रयोगात्मक रूप से कार्यान्वित करने के विभिन्न तरीकों से छात्रों को अवगत कराया। प्रथम सत्र के समापन मे सभी मुख्य अतिथियों का सम्मान स्मृति पिन्ह द्वारा इंजी. रोहित श्रीवास्तव एवं इंजी. प्रेम शंकर यादव द्वारा किया गया। दूसरे टेक्निकल सत्र के प्रथम मुख्य वक्ता के रूप में अनिल कुमार तिवारी (आईआईटी जोधपुर) ने मशीन लर्निंग व डीप लर्निंग का अनुप्रयोग एवं इमेज प्रोसेसिंग तथा पैटर्न रिकॉग्निशन जैसे डीएलए पैटर्न रिकॉग्निशन, क्राउड मैनेजमेंट को आईओटी व क्लाउड कंप्यूटिंग के परिक्षेत्र में बहुत ही सुंदर उदाहरण से वर्णित किया।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

'लेना होगा जनम हमें कई-कई बार'

लविवि में रंगारंग कार्यक्रम

लखनऊ (एसएनबी)। दीपावली के शुभ अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा अर्थशास्त्र विभाग के कौटिल्य सभागार में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कुलपति प्रो आलोक कुमार राय, कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह, कला संकाय अधिष्ठाता प्रो अरविंद अवस्थी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू , कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी के साथ सभी संकायों के डीन, सभी विभागाध्यक्ष और अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना हुई, जिसे मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिकाओं डा हंसिका सिंघल और स्वप्निल सिन्हा ने प्रस्तुत किया। हिंदी विभाग के प्रो एस बी थापा ने मक्तिबोध की पंक्तियां 'जिंदगी में जो कछ है, जो भी कुछ है, स्वीकारा है' और 'लेना होगा जनम हमें कई कई बार' के साथ एक प्रेमगीत प्रस्तुत किया। जंतु विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो संगीता रानी ने एक गीत और उर्दू विभाग के डा अब्बास रजा नय्यर ने शायरी 'मैं दिया हूं, मुझे बुझाएगी? ए हवा तेरी सांस फूल जायेगी। लौ बस आलोक से लगाए रहो, यही लौ रास्ता दिखाएगी' प्रस्तुत किया। वनस्पति विज्ञान की प्रो गौरी सक्सेना और उनकी टीम ने 'आओ पधारो पिया' गीत गाया।

कुलपति ने पठन-पाठन और परीक्षाओं की चर्चा करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

ऐ हवा तेरी सांस फूल जाएगी यही लौ रास्ता दिखाएगी..

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विवि के सांस्कृतिकी द्वारा अर्थशास्त्र विभाग के कौटिल्य सभागार में एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति रहे।

विवि में आयोजित कार्यक्रम में मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिका डॉ. हंसिका सिंघल और स्वप्निल सिन्हा ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। हिंदी विभाग के प्रोफेसर एसबी थापा ने मुक्तिबोध की पंक्तियों जिंदगी में जो कुछ है, जो भी कुछ है, स्वीकारा है और लेना होगा जनम हमें कई कई बार, प्रस्तुत किया। जंतुविज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर संगीता रानी ने गीत गाया।

उर्दू विभाग के डॉ. अब्बास रजा नय्यर ने शायरी मै दिया हूं, मुझे बुझाएगी, ए हवा तेरी सांस फूल जाएगी, यही लौ रास्ता दिखाएगी, प्रस्तुत किया। वनस्पति विज्ञान की प्रोफेसर गौरी सक्सेना और उनकी टीम ने आओ पधारो पिया गीत गाया। कार्यक्रम के अंत में प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान कुलपति एके राय सहित अन्य मौजूद रहे।

गणेश वंदना की प्रस्तुति देतीं डॉ. हंसिका सिंघल और स्वप्निल सिन्हा।

LOKSATYA PAGE 2

पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया की जटिलताएं बताईं

लखनऊ, लोकसत्य

जागरूकता

- एलयू रसायन विभाग में व्याख्यान श्रृंखला शुरू

लखनऊ यूनिवर्सिटी के रसायन विज्ञान विभाग ने शिक्षाविदों में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के बारे में जागरूकता पर व्याख्यान श्रृंखला शुरूआत की। विभागाध्यक्ष प्रो अनिल मिश्रा ने व्याख्यान श्रृंखला के उद्देश्य की जानकारी दी। उन्होंने शिक्षा जगत में आईपीआर के महत्व और युवा उत्साही अनुसंधान विद्वानों, विभाग के संकाय सदस्यों व अन्य विभागों के बीच आईपीआर की समझ को विकसित करने में विभाग की भूमिका के बारे में बताया। व्याख्यान सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग प्रो. ओम प्रकाश ने दिया। उन्होंने 'पेटेंट फाइलिंग के तकनीकी और कानूनी पहलू: भारतीय पेटेंट (संशोधन) अधिनियम, 2005 के साथ सरिखित' विषयक व्याख्यान दिया। डॉ. ओम प्रकाश ने भारतीय पेटेंट कार्यालय ने पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया की जटिलताओं के बारे में बताया। तकनीकी जरुरतों के साथ भारत में पेटेंट कानून को रेखांकित करने वाले कानूनी ढांचा बताया। वर्तमान ज्ञान-संचालित अर्थव्यवस्था में पेटेंट के महत्व पर जोर दिया। और नवाचार को बढ़ावा देने और आविष्कारकों की सुरक्षा में उनकी भूमिका पर विचार रखे। पेटेंट आवेदन की चरण-दर-चरण प्रक्रिया के बारे में मार्गदर्शन किया।

इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी व टेलीकम्युनिकेशन के शोध हुए साझा

लखनऊ, लोकसत्य

स्वागत

- एलयू के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में चल रही तीन दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस संपन्न

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में चल रही तीन दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस के आखिरी दिन दो टेक्निकल सेशन हुए। पहले सत्र के मुख्य वक्ता पूर्व यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रो आलोक चतुर्वेदी ने इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी व टेलीकम्युनिकेशन से संबंधित मूलभूत विधियों पर प्रकाश डालते हुए तत्कालीन रोजमर्रा की जरूरत में उसके उपयोग के बारे में बताया।

दूसरे सत्र में मुख्य वक्ता इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के प्रो मोहम्मद हारूनने मानव मस्तिष्क संरचना व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्ट्रक्चर के मध्य, समानता व कार्य विधि, सूचना प्रबंधन व उसके संचार तंत्र को विभिन्न माध्यमों व उदाहरणों से समझाया। परसेप्ट्रॉन , हिडन लेयर्स व फीड फॉरवार्ड तंत्र के बिंदुओं पर अत्यंत सूक्ष्मता के साथ सुपरवाइज्ड व अनसुपरवाइज्ड मशीन लर्निंग माध्यमों पर रोचक व्याख्यान दिया। आखिरी सत्र के वक्ता व कार्यक्रम अध्यक्ष आईटी लखनऊ के डॉ उपेंद्र कुमार ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग के दैनिक जीवन में उपयोग व प्रयोगात्मक रूप से कार्यान्वित करने के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया। इंजीनियर रोहित श्रीवास्तव व इंजीनियर प्रेम शंकर यादव ने अतिथियों स्वागत किया।

पहले सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में आईआईटी जोधपुर के अनिल कुमार तिवारी, वक्ता आई एन एच यू यूनिवर्सिटी, उज्बेकिस्तान की कीर्ति सेठ, दूसरे सत्र के अध्यक्ष आईआईटी कानपुर के डॉ. निश्चल कुमार वर्मा (आईआईटी ,कानपुर) ने अपने विचार रखे। शोधकर्ताओं ने अपनी रिसर्च पेपर को विषय विशेषज्ञों के सामने प्रस्तुत किए। समापन समारोह के मुख्य अतिथि जनरल मैनेजर, इसरो टेलिमेट्री आसिफ सिद्दीकी का संकाय के अधिष्ठाता प्रो अशोक कुमार सिंह ने स्वागत किया। आसिफ सिद्दीकी ने इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग तथा साइबर एवं नेटवर्क सिक्योरिटी के विभिन्न परिप्रेक्ष्यों तथा अनुप्रयोगों का विस्तार से बताया।

कांफ्रेंस के समन्वयक इंजीनियर जीशान अली सिद्दीकी ने बताया कि कांफ्रेंस में कुल 119 शोध पत्र प्राप्त हुए थे। जिसमें टेलर एंड फ्रांसिस के मापदंड के अनुसार कुल 40 प्रतिशत लगभग 48 शोध पत्रों का ही चयन किया गया। शोध पत्रों का प्रकाशन सीआरसी प्रेस से होगा। डॉ.सिद्धार्थ सिंह ने अध्यापकों तथा छात्रों का आभार जताया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

शिक्षकों ने नृत्य और शायरी से दिखाया हुनर

- लविवि के सांस्कृतिकी की ओर से रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सांस्कृतिकी के तत्वाधान में अर्थशास्त्र विभाग के कौटिल्य सभागार में एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को हुआ।इसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, कला संकाय अधिष्ठाता प्रो अरविंद अवस्थी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो संगीता साहू, कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार सिंह के साथ सभी संकायों के डीन, सभी विभागाध्यक्ष और अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना हुई, जिसे मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिकाओं डॉ. हंसिका सिंघल और स्वप्निल सिन्हा ने प्रस्तुत किया। हिंदी विभाग के प्रो एसबी थापा ने मुक्तिबोध की पंक्तियों जिंदगी में जो कुछ है, जो भी कुछ है, स्वीकारा है और लेना होगा जनम हमें कई कई बार के साथ एक प्रेमगीत प्रस्तुत किया। जंतु विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो संगीता रानी ने एक गीत और उर्दू विभाग के डा अब्बास रजा नय्यर ने शायरी मै दिया हूं, मुझे बुझाएगी?...यही लौ रास्ता दिखाएगी प्रस्तुत किया। वनस्पति विज्ञान की प्रो गौरी सक्सेना और उनकी टीम ने आओ पधारो पिया गीत गाया। कुलपति ने पठन-पाठन और परीक्षाओं की चर्चा करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। अंत में सांस्कृतिकी की निदेशिका प्रो मधुरिमा लाल ने कुलपति और सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

तकनीकी कार्यशाला लखनऊ विवि में तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन

साइबर सिक्योरिटी आज के समय में अत्यंत महत्वपूर्ण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ देकर किया गया स्वागत। अमृत विचार

अमृत विचार : लखनऊ विवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में तीन दिनों से चली आ रही इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन मुख्य वक्ता ने साइबर सिक्योरिटी को महत्वपूर्ण बताया। तकनीकी कार्यशाला के दौरान मूलभूत विषयों को भी विस्तार दिया गया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व विवि के प्रोफेसर आलोक चतुर्वेदी ने इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी व टेलीकम्युनिकेशन से संबंधित मूलभूत विधियों पर प्रकाश डालते हुए इसे दैनिक दिनचर्या से जोड़ते हुए बताया । कहा कि साइबर सिक्योरिटी वर्तमान में महत्वपूर्ण अंग बन गया है। इंटीग्रल विवि के प्रोफेसर मोहम्मद हारून ने मानव मस्तिष्क संरचना व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्ट्रक्चर के मध्य, समानता व कार्य विधि, सूचना प्रबंधन व उसके संचार तंत्र को समझाया।

आईआईटी जोधपुर के प्रोफेसर अनिल कुमार तिवारी ने मशीन लर्निंग व डीप लर्निंग का अनुप्रयोग एवं इमेज प्रोसेसिंग की जानकारी दी। कान्फ्रेंस में विभिन्न शोधकर्ताओं ने अपनी रिसर्च पेपर को विषय विशेषज्ञों के सामने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विवि के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

119 शोधपत्रों में से 48 का चयन

समन्वयक इंजीनियर जीशान अली सिद्दीकी ने बताया कि कांफ्रेंस में कुल 119 शोध पत्र प्राप्त हुए थे। जिसमें टेलर एंड फ्रांसिस के मापदंड के अनुसार कुल 40 फीसद लगभग 48 शोध पत्रों का ही चयन किया गया। डॉ. सिद्धार्थ सिंह ने सभी शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित किया।